Name: _____ Date: _____

दीवानों की हस्ती

प्रश्न-1 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-2 कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-3 कवि जग को अपना क्या योगदान देना चाहता है?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-4 कवि की मंज़िल निश्चित क्यों नहीं है?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-5 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर _____

_____

https://educationwithfun.com

दीवानों की हस्ती

प्रश्न-1 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती - रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।

प्रश्न-2 कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?

उत्तर कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा इसलिए कहा है क्योंकि दुनिया में सभी लोग एक दूसरे से कुछ न कुछ माँगते रहते हैं।

प्रश्न-3 कवि जग को अपना क्या योगदान देना चाहता है?

उत्तर कवि लोगों में खुशियाँ बाटना चाहता है। वह लोगों के मन से दुःख और भय जैसे भावों को दूर करना चाहता है।

प्रश्न-4 कवि की मंज़िल निश्चित क्यों नहीं है?

उत्तर कवि अपने इच्छानुसार जीवन का आनंद लेना चाहता है। उसे जो भी राह दिखती है वह उसी पर आगे बढ़ जाता है। इसलिए कवि की मंज़िल निश्चित नहीं है।

प्रश्न-5 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकर आया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

https://educationwithfun.com